material. The cases are being investigated and efforts are being made to identify and apprehend the culprits.

Security measures in and around the New Secretariat have been further strengthened. Besides, patrolling by security forces has also been intensified to ensure the security of the employees of Secretariat.

Mobilization of support by Akhil Mahabodhi Mahaviara Mukti Andolan

3974. SHRI V. NARAYANASAMY:
SHRI BISHAMBHAR NATH PANDE:

Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Akhil Mahabodhi Mahaviara Mukti Andolan, headed by the Japanese-born-Indian Convert, Bhante Sasai, has been able to mobilise support of 18 countries, and 50 out of 901 embassies based in New Delhi in favour of his cause;

(b) if so, the details thereof; and

(c) whether Government have been able to examine its international implications?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI P. M. SAYEED): (a) to (c) The information is being collected and will be laid on the Table of the House.

Lathi Charge by Police on Demonstration at Saharanpur

3975. SHRI A. NALLASIVAN: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that C. R. P. F., R. A. F. and G. R. P. personnel had resorted to severe lathi charge on the people staging peaceful Dharna on 2nd July, 1993 in Saharanpur in protest against non-implementation of Railway Minister's assurance in Parliament that Nauchandi Express will be extended from Meerut to Saharanpur;

(b) whether he has received representations for suitable enquiry into the said lathi charge which resulted in serious injuries to many people; and

(c) if so, the steps taken by the Government thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI RAJESH PILOT): (a) Information is being collected and will be laid on the Table of the House.

(b) and (c) Under the Constitution Public Order' and 'Police' are state subjects. The primary responsibility for maintenance of law and order, thus directly devolves on the state governments concerned.

Terrorism, drug trafficking and smuggling of Explosives

3976. SHRI MURLIDHAR CHANDRAKANT BHANDARE: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that terrorism and drug trafficking are on the increase in recent years;

(b) whether smuggling of explosives like RDX has added new dimension to the problem; and

(c) if so, the details of concrete steps taken by Government to fight anti-social elements and foreign powers encouraging these activities?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI RAJESH PILOT): (a) to (c) While terrorist violence has continued unabated in the North Eastern States and J & K in recent years, there has been notable improvement in the situation in Punjab, where, to a large extent, terrorist activities have been marginalised. Government has taken note of the situation created by the recent incidents wherein sizeable quantities of explosives including RDX were smuggled into the country. Govt. have alerted all State governments as well as the concerned Central Agencies to enforce enhanced surveillance in a fully integrated manner to counter the smuggling activities. Implementation of various decision taken in this regard is continuously monitored at the highest level. Every possible assistance is also being extended to the state government for the purpose.

इंटरपोल विंग को इंटरपोल मुख्यालय से जोड़ा जाना

3977. **श्री ईश दत्त यादव** : क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि इंटरपोल विंग को लायन्स स्थित इंटरपोल मुख्यालय से अभी तक नहीं जोड़ा गया है;

(ख) यदि हां, तो उसके क्या कारण है; और

(ग) यदि नहीं, तो सरकार ने इंटरपोल विंग को लायन्स स्थित इंटरपोल मुख्यालय से जोड़ने के लिए क्या प्रयास किए हैं ?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी० एम० सईद) : (क) से (ग) इण्टरपोल-इण्डिया और लायन्स स्थित इण्टरपोल मुख्यालय में टेलेक्स, फैक्स और टेलीफोन के माध्यम से सीधा सम्पर्क है ; केन्द्रीय जांच ब्यूरो की इण्टरपोल शाखा और लायन्स स्थित इण्टरपोल मुख्यालय भी पुलिस रेडियो नेटवर्क के माध्यम से जुड़े हुए हैं ।

सेण्ट्रल फारेन्सिक लेबोरेटरी द्वारा निपटाए गए मामले

3978. **श्री ईश दत्त यादव** : क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सेण्ट्रल फारेन्सिक लेबोरेटरी को भेजे गए मामलों को कर्मचारियों की कमी के कारण निर्धारित समय पर नहीं निपटाया जा रहा है;

(ख) यदि हां, तो गत तीन वर्षों के दौरान विभिन्न संगठनों, एजेंसियों से वर्षवार कितने मामले प्राप्त हुए हैं और उनमें से कितने मामलों को निपटाया गया है; और

(ग) मामलों को शीघ्र निपटाने के लिए कर्मचारियों की संख्या में वृद्धि करने के लिए सरकार द्वारा क्या प्रयास किए गए हैं ?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी० एम० सईद) : (क) जी हां, श्रीमान् ।

(ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान, प्राप्त हुए मामलों और निपटाए गए मामलों के बारे में सूचना नीचे दी गई है :—

वर्ष	प्राप्त मामलों की संख्या	निपटाए गए मामलों की संख्या
1990	4270	3572
1991	4787	3877
1992	4218	3355

(क) केन्द्रीय विधि-विज्ञान प्रयोगशाला, दिल्ली द्वारा केन्द्रीय जांच ब्यूरो और दिल्ली पुलिस, दोनों को सेवाएं प्रदान की जाती हैं । केन्द्रीय विधि-विज्ञान प्रयोगशाला, दिल्ली में कार्य की अधिक मात्रा को कम करने के लिए दिल्ली पुलिस के लिए एक पृथक विधि-विज्ञान प्रयोगशाला की स्थापना की स्वीकृति दी गई है ।

Children in Jails without Trial

3979. **SHRI RAJNI RANJAN SAHU :**
SHRIMATI VEENA VERMA :

Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state :

(a) the number of children in jail without trial for over a year; over six months; and over one month; in the Capital and in the country as a whole;

(b) whether it is a fact that a number of children are held in prisons without trial; for petty offences; and

(c) if so, what steps are taken to minimise such atrocities on children, including their exploitation and abuse during such imprisonment ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI P.M. SAYEED) : (a) and (b) Under the Juvenile Justice Act, 1986, children are not to be held in prisons.

(c) Does not arise.

लाटरियों की पुरस्कार राशि की अदायगी के संबंध में समय-सीमा

3980. **चौधरी हरमोहन सिंह** : क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि लाटरी निकलने पर पुरस्कार का दावा करने के संबंध में समय-सीमा है जबकि पुरस्कार राशि की अदायगी के संबंध में कोई समय-सीमा नहीं है;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण है; और

(ग) सरकार ने पुरस्कार राशि की अदायगी की समस्या के समाधान हेतु क्या प्रयास किये हैं ?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी० एम० सईद) : (क) से (ग) लाटरियां चलाने में गलत तौर-तरीके अपनाए जाने के बारे में शिकायतें समय-समय पर प्राप्त होती रहती हैं । आगे की समुचित कार्रवाई के लिए इन्हें संबंधित राज्य सरकारों को भेज दिया जाता है । अलग-अलग मामलों के बारे में सांख्यिकीय सूचना नहीं रखी जाती है । सूचित किए गए गलत तौर-तरीकों को ध्यान में रखते हुए, केन्द्र सरकार ने समय-समय पर राज्यों को दिशा-निर्देश जारी किए हैं ।

दंगों के दौरान अनाथ हुए बच्चे

3981. **श्री गोपाल सिंह जी० सोलंकी** : क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कई राज्यों ने जनवरी, 1993 के दौरान दंगों में अनाथ हुए बच्चों की अभी तक पहचान नहीं की है ;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ग) यदि बच्चों की पहचान कर ली गई है, तो अनाथ हुए ऐसे बच्चों की राज्य-वार संख्या कितनी है और उनमें से कितने बच्चों को सहायता दी गई है ?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी० एम० सईद) : (क) से (ग) राष्ट्रीय साम्प्रदायिक सद्भावना संस्थान द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के अनुसार, जनवरी, 1993 माह के दौरान